



भारत डायनामिक्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम, रक्षा मंत्रालय)
निगम कार्यालय, गच्ची बाउली – हैदराबाद

बीडीएल/104/बीडी-नि.वा./एम आर/ 04

दिनांक : 16 जुलाई, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

**विकास और उज्जवल भविष्य के अधिकाधिक अवसरों की पूर्वदर्शी :
“बीडीएल मना रहा है अपना 52वाँ स्थापना दिवस”**



भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) ने अपनी विभिन्न इकाइयों और कार्यालयों में कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए जुलाई 16 को 52वाँ स्थापना दिवस मनाया।

2. इस अवसर पर कमोडोर सिद्धार्थ मिश्र (से.नि.) सीएमडी, बीडीएल ने कंपनी के कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने वर्षों से कंपनी की सफलता में भागीदार बनने के लिए पूर्व कर्मचारियों और अन्य हितधारकों को भी धन्यवाद दिया।
3. अपने संबोधन में सीएमडी ने कहा कि बीडीएल के पास सशस्त्र सेना बलों से बहुत अच्छी ऑर्डर बुक (कार्य-आदेश) प्राप्त हुई है और यह मित्र देशों को अपने निर्यात योग्य उत्पादों प्रस्तुत कर वैश्विक बाज़ार में अपने व्यापार का विस्तार करने में प्रयासरत है। उन्होंने कर्मचारियों से आग्रह किया कि आदेशों को कार्यावित्त कर समय पर सुपुर्दगी सुनिश्चित करने लिए प्रतिबद्ध होकर मेहनत करते रहें।
4. इस समारोह में बीडीएल के निदेशकों और कंपनी के सभी कर्मचारियों ने भाग लिया।

5. उन्होंने कहा कि बीडीएल, पिछले पांच दशकों में दुनिया की उन कुछ कंपनियों में से एक के रूप में विकसित हुई है, जिनके पास संचलित प्रक्षेपास्त्र, अंतर्जलास्त्र, वायुवाहित उत्पादों और भारतीय सशस्त्र सेना के लिए संबद्ध रक्षा उपकरणों के निर्माण और आपूर्ति के लिए अत्याधुनिक सुविधाएँ हैं। उत्पाद के कार्यकाल के दौरान सहयोग प्रदान करने की अपनी उद्देशिका के क्रम में बीडीएल सशस्त्र सेना को पुनर्संजीकरण / पुरानी मिसाइलों के कार्यकाल विस्तार एवं अप्रचलन प्रबंधन में सहयोग दे रही है।
6. कंपनी ने मुख्य रूप से डिजाइन और इंजीनियरिंग गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी इन-हाउस आर एण्ड डी क्षमताओं को मजबूत किया है और इसके कई उत्पाद पहले से ही ग्राहकों द्वारा प्रयुक्त किए गए हैं।
7. बीडीएल विभिन्न मिसाइलों और अंतर्जलास्त्र कार्यक्रम के लिए 'विकास भागीदार' के रूप में डीआरडीओ के साथ सक्रिय रूप से शामिल है। पृथ्वी, आकाश और नाग के लिए एकीकृत संचलित प्रक्षेपास्त्र विकास कार्यक्रम के तहत डीआरडीओ द्वारा बीडीएल को मुख्य उत्पादन अभिकरण के रूप में नामित किया गया है। इसी तरह एन एस टी एल की तकनीकी सहभागिता से अंतर्जलास्त्र श्रेणी में हल्के भार वाला टॉरपिडो और भारी टॉरपिडो (वरुणास्त्र) का विनिर्माण किया जा रहा है।
8. पिछले वर्ष के दौरान, बीडीएल ने अपने पोर्टफोलियो में और उत्पाद जोड़े हैं जिसमें दिशानी (सोनोबाँय), गरुडास्त्र, कॉकर्स मिसाइल परीक्षण उपकरण, कॉकर्स लॉंचर परीक्षण उपकरण शामिल हैं।
9. कंपनी ने अपने ग्राहकों को वरुणास्त्र, भारी टॉरपिडो और आकाश मिसाइल भी सफलतापूर्वक सौंप दिया
10. भारत सरकार की नई नीतिगत पहल और प्रौद्योगिकी उन्नयन कर आत्मनिर्भर बनने की ओर कदम बढ़ाते हुए बीडीएल, सतहधारी प्रतिष्ठापन प्रौद्योगिक, उच्च निष्पादन संगणक सुविधा, 'सीकर निर्मिति केंद्र', 'वारहेड उत्पादन सुविधा', उच्च तापमान कार्बन कॉपोजिट, उत्कृष्ट केंद्रीय भण्डार तथा पर्यावरणीय परीक्षण सुविधा जैसी नयी अवसंरचनाओं का विनिर्माण कर रहा है।
11. नई सुविधाओं की स्थापना से कंपनी की वर्तमान अवसंरचना को और बल मिलेगा, जिससे क्षमताओं की बढ़ोत्तरी होगी और साथ ही, अपने ग्राहकों की सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान किया जा सकेगा।

12. बीडीएल अपनी उत्पाद पोर्टफोलियोस का भी विस्तार करते हुए खान, एंटी सबमराइन वारफेर शूट और एंटी ड्रोन सिस्टम जैसे नए क्षेत्रों में पदार्पण कर रहा है।
13. बीडीएल, विकास एवं उत्पाद भागीदार / उत्पादन अभिकरण के रूप में नई परियोजनाओं में शामिल है जिसमें स्मार्ट एंटी एयरफील्ड वेपन सिस्टम, कम दूरी पर सतह से हवा में सीधे से मार करने वाली मिसाइल प्रमुख कार्यक्रम है जिससे कंपनी को संव्यवहार के विस्तृत अवसर मिलेंगे।
14. सीएसआर पहल के तहत बीडीएल समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रमुख योगदाता है। देश भर में फैली हुई कोविड-19 महामारी की स्थिति में बीडीएल ने सरकार और अस्पतालों को अपना सहयोग दिया, ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट उपलब्ध कराया गया। आंध्र प्रदेश के विशाखपट्टणम, विजयनगरम जिले तथा तेलंगाना में भूपालपल्ली और कोत्तगूडेम जिलों में कोविड जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। नई दिल्ली में 1000 बेड से युक्त कोविड 19 अस्पताल के निर्माण के लिए योगदान दिया, लखनऊ में अटल बिहारी वाजपेय इंस्टिट्यूट कोविड अस्पताल, विशाखपट्टणम इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेस, विशाखपट्टणम में अक्सीजन सपोर्ट सुविधा के लिए अंशदान दिया।
15. पिछले पाँच दशकों में बीडीएल भारतीय सशस्त्र सेना बलों के समर्थन में शामिल एक प्रमुख रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम के रूप में उभरा है। हालाँकि कंपनी अपने मुख्य व्यवसाय क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए भी समाज की जरूरतों को पूरा करने में भी सक्षम है और स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा से लेकर भोजन और आश्रय तक फैली अपनी सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से विभिन्न गैर सरकारी संगठनों / सरकारी निकायों के साथ काम करना जारी रखा है।
16. अपने 52वें स्थापना दिवस पर, बीडीएल ने एक बार फिर स्वयं को कंपनी के विजन और मिशन को समर्पित कर दिया और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया।

